| KAPOL VIDYANIDHI INTERNATIONAL SCHOOL (ICSE)<br>TEMPLE OF KNOWLEDGE<br><br>FIRST PRELIMINARY EXAMINATION<br>SUBJECT: HINDI | Dur : 3 hrs<br>Marks: 8०<br>Date: 5/12/20<br>Std: X th | |
|---|---|---|

*Answer to this paper must be written on the paper provided separately.*
*You will not be allowed to write during first 15 minutes.*
*This time is to be spent in reading the question paper.*
*The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.*
*Attempt **all** questions*

## SECTION – A ( 40 MARKS )
## (Attempt all questions)

प्रश्न-१ **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए।** [१५]

1) जल है तो कल है - विषय को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि कैसे जल संचयन और संरक्षण से कल को सुरक्षित रख सकते है ?

2) 'वह व्यक्ति जिसे आप भुला न सकें ऐसे व्यक्ति के बारे में लिखिए जिसने या तो आपकी सहायता की हो या आपके ऊपर अमिट छाप छोड़ी हो।'

3) आपके विचार में आपके शहर/ गाँव में स्वास्थ्य से संबंधित क्या समस्याएँ हैं ? सुझाव दीजिए कि आप वहाँ के नागरिकों के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए क्या करेंगे या आपके विचार में अधिकारियों को क्या करना चाहिए ?

4) एक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित लोकोक्ति हो ;

**"असफलताएँ ही सफलता की सीढ़ियाँ हैं।"**

5) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और इस चित्र का विवरण दीजिए या इसे देखकर आपके मन में जो विचार उठते हों उनका वर्णन कीजिए, परन्तु आप जो कुछ भी लिखें उनका सीधा तथा स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

प्रश्न-२ **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए।** [७]

1) आप अपनी छुट्टियाँ अपने प्रिय चाचा / चाची के साथ बिताना चाहते हैं जो किसी शहर में रहते हैं। उन्हें अपने पहुँचने की सूचना देते हुए एक पत्र लिखिए और उस पत्र में यह भी बताइए कि आप उनके साथ अपनी छुट्टियाँ किस तरह बिताना चाहते हैं।

2) आप किसी पत्रिका के नियमित ग्राहक बनना चाहते हैं उनके 'प्रसार- प्रबन्धक' (Circulation Manager) को एक पत्र लिखिए जिसमें उनकों स्पष्ट रुप से बताइए कि आपने वह पत्रिका सबसे पहले कहाँ देखी और उसमें आपको सबसे अधिक क्या पसंद आया ? उनसे यह बताने के लिए भी निवेदन कीजिए कि उस पत्रिका का वार्षिक शुल्क क्या है ?

प्रश्न-३ **नीचे लिखे गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दों में होना चाहिए।**

किसी भी जाति की सभ्यता और संस्कृति का परिचय हमें उसकी लोक कलाओं और लोक-जीवन में मिलता है। मध्य हिमालय का गढ़वाल तथा कुमाऊँ क्षेत्र जिसे हम 'उत्तराखण्ड' के नाम से जानते हैं, प्राकृतिक वैभव के साथ ही भारतीय संस्कृति की कई प्राचीनताओं को भी अपने आँचल में समेटे हैं, लेकिन इधर कुछ वर्षों में पहाड़ का चेहरा बड़ी तेजी से बदलने के कारण उसके रूप में भी बदलाव आया है ।

पहाड़ के गाँव कभी अपनी विविध लोक-कलाओं काष्ठकला, आभूषण निर्माण कला, वाद्यकला, भित्तिचित्र कला , चित्रकारी, मेले, लोकोत्सव और नृत्य आदि के लिए जाने जाते थे, लेकिन बदलाव की हवा ने उन्हें भी अपने रंग में रंगना शुरू कर दिया है। परिवर्तन की इस लहर ने यहाँ की लोक -कलाओं को

ही नहीं, बल्कि भवन निर्माण शैली को सबसे अधिक प्रभावित किया है। चीड़ और देवदार के पेड़ों के बीच बने पक्के मकानों को देखकर सहज ही विश्वास नहीं होता कि ये वही पहाड़ हैं, जहाँ कभी मिट्टी, पत्थर और लकड़ी के छोटे-छोटे कलात्मक घर हुआ करते थे।

आधुनिकता के नाम पर बदलाव का यह सिलसिला चन्द गाँवों या शहरों तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि सुदूर क्षेत्रों में भी पहुँच चुका है वहाँ भी सीमेंट. कंक्रीट के आधुनिक मकान देने लगे हैं। यहाँ के पुराने मकानों को गौर देखें तो इनमें कच्चे माल के रूप में वस्तुओं का उपयोग होता था, जो यहाँ आसानी से उपलब्ध थीं। ईंट के स्थान पर पत्थरों को अलग-अलग आकारों में काट-छाँटकर के उपर एक रखकर चिना जाता था। दो पत्थरों के बीच सीमेंट का कोई उपयोग नहीं होता था। बीच-बीच में शाल, सागौन देवदार, चीड़ या दूसरी उपलब्ध लकड़ी के स्लीपर डाले जाते थे। दरवाजे और खिड़कियों में भी स्थानीय लकड़ी का भरपूर सदुपयोग किया जाता था। कुछ घरों में पशुओं के लिए नीचे व्यवस्था की जाती थी, जिसे 'सन्नी' या 'गोठ' कहा जाता था। परिवार पहली मंजिल पर रहता था। पारम्परिक मकानों के उपर की मंजिल पर एक खुला आँगन जिसे 'तिबारी' या 'खूटकूण' कहा जाता था, अवश्य निकाला जाता था जो एक तरह के बैठक का भी काम करता था। दिन-भर के काम से निपटने के बाद यहीं बैठकर पूरा परिवार हँसी-खुशी से बातें करता था। आज नये आधुनिक शैली के मकानों में यह परम्परा बड़ी तेजी से लुप्त हो रही है। मकानों के दरवाजों. खिड़कियों और छज्जों पर जो बारीक काष्ठकला का काम होता था वह भी अब लुप्तप्राय है। यह परिवर्तन न तो यकायक आया है और न ही जरूरतों की उपज है, बल्कि यह तथाकथित आधुनिकता के अन्धानुकरण का ही उदाहरण है।

1) किसी भी जाति की सभ्यता और संस्कृति का परिचय हमें किससे प्राप्त होता है और किस प्रकार ? समझाकर लिखिए। [२]

2) हिमालय के मध्य को किस नाम से जाना जाता है ? इस क्षेत्र की क्या विशेषताएँ है ? [२]

3) यह क्षेत्र पहले किस बात के लिए जाने जाते थे ? इस समय इनकी क्या स्थिति है ? [२]

4) आधुनिक परिवर्तन ने लोक-कलाओं के अलावा किसको अधिक प्रभावित किया है और कैसे ? यह प्रभाव कहाँ तक पहुँचा है ? [२]

5) इस परिवर्तन से पहले पहाड़ों में मकानों का निर्माण किस प्रकार होता था ? [२]

| | | |
|---|---|---|
| प्रश्न-४ | **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसारं लिखिए।**<br><br>**1) निम्नलिखित शब्दों के विशेषण बनाइए।**<br>भूलना , सोना | [१] |
| | **2)निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।**<br><br>युद्ध, उद्देश्य। | [१] |
| | **3)निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए।**<br><br>सन्नाटा, दुर्भावना, जड़ता, कलयुग। | [१] |
| | **4)निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक से वाक्य बनाइए।**<br><br>i) गिरगिट की तरह रंग बदलना।<br><br>ii) सीधे मुँह बात न करना। | [१] |
| | **5)भाववाचक संज्ञा बनाइए।**<br>परिवार , बिकना | [१] |
| | **6)कोष्ठक में दिए गए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए।**<br><br>i) रवि ने भिखारी को दो रोटी दी। (वचन बदलो ) | [१] |
| | ii) बच्चों की बातें सभी को <u>सरलता से समझ में आ जाती हैं</u>। (रेखांकित शब्दों की जगह एक शब्द लगा कर वाक्य पुनः लिखो ) | [१] |
| | iii) मैं कलम से पत्र लिखूंगा। ( वाक्य को भूतकाल में बदलिए ) | [१] |

# SECTION-B (40MARKS)

## (Attempt Any Four)

### एकांकी संचय

**निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

प्रश्न-५

**" कुल-दीपक ! कहीं तुम मुझे दान न कर देना , धाय माँ वे नाचने वाली लड़कियाँ तुलजा भवानी की पूजा में दीप - दान कर के नाच रही हैं।"**

1) यहाँ कुलदीपक कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। [२]

2) वक्ता स्वयं को दान न कर देने की बात क्यों कह रहा है ? [२]

3) बनवीर ने नृत्य का आयोजन क्यों करवाया था ? [३]

4) वक्ता धाय माँ से क्या आग्रह कर रहा है ? [३]

**प्रश्न ६**

**'प्राण जाएँ पर वचन न जाए', यह हमारे जीवन का मूल मंत्र है।**

1) प्राण जाए पर वचन न जाए' का भाव एकांकी के अनुसार स्पष्ट कीजिए। [२]

2) वक्ता ने क्या प्रतिज्ञा की थी ? उसने यह प्रतिज्ञा क्यों की थी ? [२]

3) यहाँ पर श्रोता कौन है ? उसने प्रतिज्ञा पूरी करने का क्या उपाय बताया ? [३]

4) मातृभूमि का मान एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [३]

**प्रश्न ७**

**काम से हटा दिया है भला क्या दोष था उसका'?**

1) यहाँ वक्ता व श्रोता कौन है? किसने,किसे काम से हटाया? [२]

2) 'उसे' काम से क्यों हटाया गया था? [२]

3) ऐसे में श्रोता ने छोटी बहु ( बेला ) को क्या समझाया? [३]

4) श्रोता ने समझाने का बेला पर क्या प्रभाव पड़ा ? स्पष्ट करें [३]

## साहित्य सागर (पद्य)

**निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़िए और उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

**प्रश्न ८**

**गुरु गोबिंद दोऊ खड़े, काके लागू पायँ।**
**बलिहारी गुरु आपनों, जिन गोबिंद दियौ बताय ।।**
**जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।**
**प्रेम गली अति साँकरी, तामें दो न समाहि ।।** [२]

1) कबीरदास ने गुरु के महत्त्व के विषय में क्या कहा है ? [२]
2) 'जब मैं था तब हरि नहीं' से कवि का क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए। [३]
3) 'प्रेम गली' के विषय में कबीरदास ने क्या बतलाया है ? समझाकर लिखिए। [३]
4) कबीरदास की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए।

**प्रश्न ९**

**गति प्रबल पैरों मे भरी, फिर क्यों रहूँ दर-दर खड़ा,**
**जब आज मेरे सामने है रास्ता इतना पड़ा।**
**जब तक न मंजिल पा सकूँ, तब तक मुझे न विराम है।**
**चलना हमारा काम है।**
**कुछ कह लिया, कुछ सुन लिया कुछ बोझ अपना बँट गया, अच्छा हुआ तुम मिल गई कुछ रास्ता ही कट गया।**
**क्या राह में परिचय कहूँ, राही हमारा नाम है।**
**चलना हमारा काम है।**

1) 'क्यों रहूँ दरदर खड़ा?' कवि ने ऐसा क्यों कहा है ? [२]
2) 'चलना हमारा काम है' के आशय को स्पष्ट कीजिए। [२]
3) 'कुछ कह लिया, कुछ सुन लिया' से कवि का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। [३]
4) 'राही हमारा नाम है' से कवि का क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए। [३]

| | | |
|---|---|---|
| प्रश्न१० | **खीजत जात माखन खात ।**<br>**अरुण लोचन, भौंह टेढी, बार-बार जम्हात ।।**<br>**कबहुँ रुनझुन चलत घुटुरन, धुर-धुसर गात ।**<br>**कबहुँ झुक के अलक खेचत , नैन जल भर लात ।।**<br>**कबहुँ तुतरे बोल बोलत , कबहुँ बोलत तात ।**<br>**'सूर' हरि को निरखि सोभा , निमिख तजत न मात ।।**<br><br>1) 'खीजत जात माखन खात' का अर्थ लिखिए ।<br>2) 'नैन जल भर लात ' का संदर्भ स्पष्ट कीजिए ।<br>3) 'निमिख तजत न मात' से कवि क्या कहना चाहता है ?<br>4) कवि की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए । | [२]<br>[२]<br>[३]<br>[३] |

*********** ALL THE BEST **********

| | | |
|---|---|---|
| | | |
| | | |